जज़ीरा नज़्में पर एक दृष्टि

देवयानी गुप्ता

आज विश्व में आतंकवाद व्याप्त हो रहा है। स्टीफन गिल की नज़्में पूरे विश्व में अमन का संदेश देने के लिए कामयाबी हासिल कर सकती हैं। दहशत और आतंक का रास्ता मनुष्य को नैतिकता से दूर कर देता है। व्यक्ति खुदगर्ज हो जाता है, इन्सानियत को भूलकर अमन और चैन बर्बाद करने लगता है। व्यक्ति की सोच को भी छोटा कर देता है। अमन के प्रति मानव मन की भावनाओं को दुरुस्त रखने में आपकी नज़्में सटीक तथ्य का काम कर सकती हैं। आपने नज़्मों के द्वारा यह बताया कि जज़ीरा (देश) मेरा कैसा हो ? उसमें अमन (शान्ति) क्यों हो ? अमन से क्या फायदे हैं ? जंग मनुष्य के लिए क्यों नुकसानदेह है ? अमन का मुकद्दस गीत सभी को क्यों गाना चाहिए, इत्यादि।

''जज़ीरा मेरा'' सबसे पहली नज़्म में कवि ने लिखा है कि मेरी आत्मा की पुकार है कि मेरे देश में अमन का नगमा हो; जिससे व्यक्ति सकून की और इत्मिनान की जिन्दगी जी सके। प्यार वहीं रह सकता है जहाँ लोगों की आँखों में, दिलों में और ख्यालों में अमन हो। कवि स्वप्न में ऐसा देश देखता है जो अमन लाने में लगा हुआ है। उसे इस उम्मीद की चाहत है कि ऐसे इन्सान वहाँ के हों जो सच्चाई से जिन्दगी की बुनियाद रखना चाहते हैं। इन्सान ही वहाँ के लोगों में प्यार रख सकता है जो अमन के लिए जरूरी है।

कवि अमन प्रिय इन्सान है। उसका स्वप्न है कि अमन हर फसल में, हवा में, नदियों के बहाव में, जिन्दगी में रहता है यह सकून की तान है इसकी आत्मा को कोई कैद ही नहीं कर सकता है क्योंकि हर इन्सान का यह दोस्त है यानिकि हर इन्सान अमन चाहता है। भारत के स्वतन्त्र होने के पश्चात् भारत और पाकिस्तान के बटवारे में जो दहशत, आतंक, मज़हबी जनून और खूनखराबा हुआ था उससे इन्सानियत तार–तार हो गयी थी। कवि ने उसको देखा था। इसलिए कवि अपनी कविता में अपनी जिन्दगी के खामोश जख्मों को साथ लेकर वक्त गुजारना चाहता है और यह अहसास करता है इन जख्मों ने मुझे अमन का रास्ता बताया है। अमन का शहजादा दुःखों की हदों से दूर रहता है जो ऐसे देश में रहता है जहां सियासत का खेल नहीं खेला जाता है, और न ही कोई जनून है; ऐसे देश में कवि एक झोपड़ी बनाकर सकून की सांस के साथ जिन्दगी जीना चाहता है। कवि ऐसे देश की अमन रूपी फाख्ता की खोज के लिए हर व्यक्ति को सन्देश देता है कि हर व्यक्ति ख्यालों में एक होकर एक दूसरे को रास्ता दिखाए। कदम से कदम मिलाते हुए अमन रूपी फाख्ता को देश रूपी घर में लाए। अमन रूपी फाख्ता की उड़ान में कवि उसके आगोश में आना चाहता है।

कवि बताता है कि जंग से कितना नुकसान होता है ? कितनी बरबादी होती है ? उन माँओं से जंग क्या होता है ? पूछने के लिए कहता है जो अपने लाडले के कब्र में फूल चढ़ाती है। उन बेवाओं से जंग के बारे में पूछने के लिए कहता है जिन्होंने मजबूरी के आंसू बहाए हैं। उन इन्तजार करती हुई बहनों से जंग क्या है? पूछने के

लिए कवि कहता है। कवि कहता है कि अगर फिर जंग हुई तो इस संसार में कुछ नहीं बचेगा। इसलिए कवि यकीन करना चाहता है कि अमन खुशहाली के बाग को गुलजार करता है।

कवि अमनप्रिय जीवन बिताने के लिए सभी व्यक्तियों को प्रेरित करता है। अपनी नज़्मों के द्वारा प्रत्येक देश के निवासियों को यह पैगाम देना चाहता है कि अमन जिन्दगी का अमूल्य सत्य है। इस अमन को हर व्यक्ति दिल से स्वीकार करे और इसके महत्व को समझे। इस प्रकार इन्सान सकून की जिन्दगी बिता सकता है। अमन की अनुभूति कवि ने जिन्दगी के प्रत्येक अंगों में जैसे – शरीर, आत्मा, स्वास्थ्य, प्रकृति, दोस्ती, तरक्की, इन्सानियत, परिवार, समाज, देश, राजनीति, बिजनेस इत्यादि में की है। इन विभिन्न अंगों को अमन से ओत–प्रोत करके कवि देखता है और कल्पना करता है कि मेरे देश में यदि इन विभिन्न अंगों में अमन है तो कितनी सुखद और यदि अमन इन विभिन्न अंगों में नही तो कितनो दुःखद स्थितियां हमारे सामने आएंगी। यह दुःखद स्थितियां ही हमें अमन को अपनाने का संदेश देती हैं कि हम सभी व्यक्ति अमन के वजूद को समझे और उसे अपनाएं।

कवि कल्पना करता है कि पक्षियों का चहचहाना, लहरों का नाचना, कलियों की नजाकत आदि सभी चाहते हैं कि देश में अमन की ज्योति जले। अमन की रूह को कोई कैद नहीं कर सकता है क्योंकि यह इन्सान का दोस्त है। अमन संसार की हर जमीन में, हर फसल में मुस्कुराता है। लोग अपनी जिन्दगी के आंगन में इसे बसाना चाहते हैं। यह अमन का शहजादा ऊँच–नीच से परे है।

अमन रूपी फाख्ता शान्ति प्रिय है, उम्मीद को हर तरफ बिखेरती है, आजाद हवा के साथ दोस्ती का पैगाम देती है। यह फाख्ता प्यार का लिबास ओढ़े है। इसलिए कवि सकून पाने के लिए उसके आगोश में आना चाहता है।

जहां किसी अवाम में लोगों के दिलों में डर बसता है, गरीबी हो, बेसमझी हो, नापाकी हो, गुनाह हो, तानाशाही हो, जुल्म हो वहां अमन नहीं आ सकता है। कवि बताता है दहशत फैलाने वाले लोग नफरत का जहर पीते हैं। यह दहशत के जानवर खूनी फसलें यानि दहशती व्यक्ति पैदा न करे क्योंकि यह इन्सानों को कुचल देती है। दहशत की चिंगारी देश को जलाने की कोशिश करती है। परन्तु कवि कहता है कि *उसे आजादी के मायने मालूम हैं इसलिए वह अमन पसन्द इन्सान है। इसी अमन से जिन्दगी में रौनक है, अमन तहजीब का जीना है, अमन अकलमन्दी का आईना है, यह अमन ईर्ष्या रूपी लकीरों को मिटाता है, यह अमन जनून की जंजीरों को तोड़ता है। अमन इन्सान की सोच में सच्चाई की खाद है।*

कवि एक बार फिर सभी को सचेत करता है कि दहशत पसन्द इन्सान इन्सानियत का जनाजा उठाए रहते हैं अर्थात् इन्सानियत उनमें नहीं रह जाती है, वे खून खराबा पसन्द करते हैं। दहशतगर्ज इन्सान की सोच नापाक होती है, वे बर्बादी के ख्यालों में रहते हैं, वे समाज की बीमारी है और खुदगरजी की आग को जलाए रहते हैं। इसलिए कवि सभी व्यक्तियों को अगाह करते हुए कहता है कि सभी लोग अपनी सोच को बदलो। इन दहशत के गिद्धों से कोई सम्बन्ध मत रखो, जंग या खून–खराबा करना छोड़ो; अमन का शहजादा, अमन का परिन्दा अमन का चांद दिलों में बसा लो।

कवि चाहता है जजीरा ऐसा हो जिसमें नफरत की आग न हो और अमन ही बसता हो।

कवि अमन की व्याख्या करता है कि *अमन प्यार की सौगात है, अमन मंजिल की ज्योति है, जीने के हक का राज अमन है, उम्मीदों का जज्बा अमन है। फब्बारों से निकलती हुई आवाज भी अमन का संदेश देती है। जिन्दगी की बुनियाद अमन है, परेशान व्यक्ति की फरियाद भी अमन है, अर्थात् अच्छी जिन्दगी की शुरूआत अमन से ही हो सकती है, परेशान व्यक्ति भी अमन चाहता है। माताओं की आवाज है कि अमन हो। अगर अच्छे इन्सानों की तलाश करना है तो अमन की जरूरत है। अमन दोस्ती का दरवाजा है, खुशहाली का शहजादा है, सभी सोच का बादशाह है, फरिश्तों का कलाम है, पैगम्बरों का पैगाम है, खुदाबन्द का फरमान है, जख्मों का इलाज है, हमदर्दी का पकवान है, रोगों का हकीम है। तरक्की का विभाग है, विभिन्न रंगों का मिलाप है एवं अक्लमंदी का इकबाल है।*

अन्त में कवि कहता है अमन से निखरी हुई कलियों से एक माला हम सभी को पिरोनी है, सभी को कदम से कदम मिलाकर चलना चाहिए। एक सुर में रहना चाहिए यानिकि एक विचारधारा को मानकर चलना चाहिए कि अपने देश में अमन लाना है, अमन रूपी नगीने को हमें और चमकाना है। सबसे अन्तिम नज़्म में कवि को तसल्ली है कि मैंने कल्पना की खोज में अमन के राज को मापा है। यह अमन आरजू की उम्मीद जगाती है और मेरी आहों पर मल्हम लगाती है। यह अमन तसल्ली की फाख्ता बनकर मंजिल दिखा जाती है। ख्वाब जगाती है तथा ऐतबार कराती है।

यदि किसी देश में लोग खुशहाली, इन्सानियत और तरक्की लाना चाहते हैं तो अमन को अपनाना होगा। आपकी नज़्मों को माध्यम बनाकर पूरे विश्व में आतंकवाद का साथ देने वालों के दिलों में अमन का गूढ़तम रहस्य बताया जा सकता है ताकि वे अपनी सोच में परिवर्तन करे और आतंकवाद का साथ न दें।

देवयानी गुप्ता फीरोज़ गाँधी कालेज, रायबरेली, (उ0प्र0), भारत के बी0एड़0 विभाग में वरिष्ठ प्रवक्ता के पद पर कार्यरत हैं। इनकी पी0एच0डी0 लखनऊ विश्वविद्यालय से है।